थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA

NATIONAL DAILY

वर्ष २४ अंक ६६ वि.सं. २०८३ कुँवार ५ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४९) [Monday 21 September 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

नवउद्यमी सम्मेलन कैटी कैलाली बहुमुखी क्याम्पस

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ४ कुँवार । सुदूरपश्चिमके प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पससे सुदूरपश्चिम नवउद्यमी सम्मेलन कैना हुइल बा ।

क्याम्पस अन्तर्गतके इन्क्युबेसन सेन्टरके आयोजना, राष्ट्रिय योजना आयोग तथा सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके सहयोग ओ यहाँके टमान स्थानीय तह, बैंक, वित्तीय संस्थालगायतके साझेदारीमे आगामी १३ से १५ कार्तिकसम सम्मेलन करे लागल हो ।

सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालय अन्तर्गत रहल कैलाली बहुमुखी क्याम्पससे अँट्वार धनगढीमे पत्रकार सम्मेलन कैके इहे क्षेत्रमे कुछ कैना साँच रहल युवाहे उद्यमशीलता तर्फ प्रोत्साहन कैना उद्देश्यसे सम्मेलन करे लागल जानकारी डेहल बा । इन्क्युबेसन सेन्टरके संयोजक सहप्राध्यापक डा. राजेन्द्रबीर चन्द युवाहुक्रनहे उद्यमशीलतामे जोरक लाग सम्मेलन करे लागल बटैलै ।

व्यवसायलगायत टमान विधामे नुकके रहल प्रतिभाहे प्रस्फुटन कैना सम्मेलन सहयोगी हुइना उहाँ बटैलै । स्वरोजगार बन्ना ओ रोजगारी सिर्जना करे चाहल युवाहे 'मेन्टर सीप' ओ उद्यम सुरु कैना आर्थिक सहयोग फेन कैना सहप्राध्यापक चन्द पत्रकार सम्मेलनमे जानकारी डेलै ।

क्याम्पसके अनुसार ७० जाने विज्ञसे प्रशिक्षण डेनाके साथे व्यवसाय, उद्यम सुरु कैना बिना ब्याजमे दुईसे चार लाख रुपैयासम सहयोग कैना । इन्क्युबेसन सेन्टरके सदस्यसमेत रहल कैलाली उद्योग वाणिज्य संघके अध्यक्ष पुस्करराज ओझा स्नातक करल ओ नवउद्यममे जाइ चहुइया, विदेशमे सीप सिखके आइल ओ यहँ कुछ कैना चाहना रहलहे सम्मेलन उपयुक्त मञ्च हुइना बटैलै ।

विश्व विद्यायल तथा क्याम्पसमे अध्ययनरत विद्यार्थी, युवा उद्यमी तथा प्रारम्भिक चरणके व्यवसायी, नयाँ व्यवसाय ओ उद्यम करे चाहुइया युवा, वैदेशिक रोजगारीसे आइल युवा सम्मेलनमे सहभागी हुइ सेक्ना क्याम्पस जनैले बा । ओस्टके स्थानीय आवश्यकता, बजार बुझल, नविन ओ संभावनायुक्त व्यवसायिक विचार रहल तथा आपन सीप, स्थानीय स्रोत ओ प्रविधिहे व्यवसायमे रुपान्तरण करे चहुइयाहे सहभागी कराजैना सहप्राध्यापक चन्द जानकारी डेलै ।

आवेदनके प्रारम्भिक मूल्यांकन, छलफल, उद्यमशील अभिप्रेरणा, सुदूरपश्चिमके स्थानीय आवश्यकता तथा अवसरसँगके सान्दर्भिकता, कार्यान्वयन क्षमता, सीप, अनुभव, बजारके संभावना, तत्परतासमेतके आधारमे सहभागी छनोट कैना बटाइल बा ।

कैलाली बहुमुखी क्याम्पसके प्रमुख डा. लोकबहादुर बिष्ट सम्मेलनमे सहभागिताके लाग छनोट हुइल युवाहे तालिम डेनाके साथे रोजगारीमे संलग्न हुइक लाग क्याम्पससे निश्चित रकम सहयोग कैना जानकारी डेलै । बैंकसे ऋण लेना समन्वयके साथे स्थानीय तहसँग फेन समन्वय कराडेना उहाँ बटैलै ।

सम्मेलनमे सहभागिताके लाग स्वीकृत कैना ७० ठो प्रस्तावमध्ये ३५ जाने विद्यार्थी ओ ३५ व्यवसायीसे रहना क्याम्पस प्रमुख बिष्ट जानकारी डेलै ।

सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयके रजिष्ट्रार प्रा.डा. तारादत्त भट्ट सुदूरपश्चिम नवउद्यमी सम्मेलन कैना विश्वविद्यालयसे आवश्यक सहयोग ओ समन्वय कैना बटैलै ।

कुँवार ८ से १२ गतेसम जोरसे पानी बरसना सम्भावना

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ४ कुँवार । बंगालके खाडीमे विकसित हुइटी रहल न्यूनचापीय प्रणालीके प्रभावसे नेपालमे आगामी कुछ दिन वर्षाके गतिविधि बहे सेक्ना मौसमविद् बटैले बटै ।

कुँवार ८ से १२ गतेसम देशके टमान क्षेत्रमे भारीसे अत्यधिक वर्षा हुइ सेक्ना सम्भावना डेखलपाछे पूर्वतयारी ओ सतर्कतामे जोड डेहल बा । त्रिभुवन विश्वविद्यालयके जल तथा मौसमविद् डा. विनोद पोखरेल टमान मौसम पूर्वानुमान मोडेलके अध्ययन करेबर उक्त अवधिमे देशभर वर्षाके सम्भावना डेखल बटाइल हुइट । ओहकान अनुसार कुछ मोडेलसे निश्चित स्थानमे ४०० मिलिमिटरसे ढेर वर्षा हुइ सेक्ना डेखाइल बावै । कतिपय मोडेलमे भर ७४१ मिलिमिटरसम वर्षाके संकेत डेखल उहाँ सामाजिक सञ्जालमार्फत उल्लेख करले बटै ।

मने अइसीन वर्षा देशभर समान रूपमे नैहुइना ओ कुछ निश्चित क्षेत्रमे केन्द्रित हुइ सेक्ना ओहकान कहाइ रहल बा । उहाँ पूर्वानुमानके उद्देश्य त्रास फैलैना किल नैहोके सम्भावित जोखिम न्यूनीकरणके लाग समयमे तयारी कैना सहयोग पुगैटी रहल बटैले बटै ।

पोखरेलके अनुसार भारतके उत्तरपश्चिमी क्षेत्रमे मनसुन बाहर जैना क्रममे वहाँसे अइना सुक्खा हावासे बंगालके खाडीसे विकसित हुइना प्रणालीके गतिहे प्रभावित करे सेकठ् । ओकर प्रभाव नेपालतर्फ परलमे कुछ क्षेत्रमे ढेर वर्षा हुइ सेक्ना ओहकान अनुमान रहल बा ।

मौसम तथा पर्यावरणविद् उज्ज्वल उपाध्यायसे फेन बंगालके खाडीमे विकसित हुइटी रहल प्रणालीहे लग्गेसे नियाले पर्ना बटैले बटै । ओहकान अनुसार हाल उपलब्ध अधिकांश पूर्वानुमान मोडेलसे कुँवार ८ से ११ गतेसमके अवस्था गम्भीर डेखैले बावै ।

विशेष कैके कुँवार १० गते वर्षाके जोखिम ढेर हुइ सेक्ना संकेत डेखल उहाँ बटैले बटै । यद्यपि अब्बेक पूर्वानुमानहे अन्तिम निष्कर्षके रूपमे नैलेना ओहकान कहाइ रहल बा ।

उपाध्याय सम्भावित जोखिमहे लेके सर्वसाधारण अँट्याइनासे फेन उच्च सतर्कता अपनाइ पर्ना बटैले बटै । उहाँ कुँवार ८, ९ *(बाँकी २ पेजमे)*

दुई महिनासे तलबविहीन सुदूरपश्चिमके कर्मचारी

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ४ कुँवार । आर्थिक बरस २०८३/८४ सुरु हुइल दुई महिना बिट्लेसे फेन सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार मातहत कार्यरत कर्मचारी नियमित तलब पाइ सेकल नैहुइट ।

आव सुरु हुइलपाछे कार्यालयके नियमित प्रशासनिक काम तथा सेवा प्रवाहके गतिविधि सञ्चालन हुइलेसे फेन आवश्यक बजेट कार्यान्वयन हुइ नैसेकके सरकारी संयन्त्र नै आर्थिक दबाबमे परल बा । कर्मचारी नियमित रूपमे कार्यालयमे उपस्थित होके जिम्मेवारी निर्वाह करटी रलेसे फेन पारिश्रमिक पाइ नैसेकल अवस्था रहल बा ।

सावन ओ भदौ महिनाके पारिश्रमिक नैपाके प्रदेशके मन्त्रालयलगायत प्रदेश सरकार मातहतके कार्यालयमे कार्यरत कर्मचारी घरायसी तथा कार्यालय खर्च व्यवस्थापनके दबाबमे परल बटै । लम्मा समयसम तलब रुकेबर कार्यालय सञ्चालनके नियमित खर्चसमेत प्रभावित हुइ लागल बावै । सवडिभिजन वन कार्यालय सुखडके वन अधिकृत सोम घलान दुई महिनासे तलब नैआके कर्मचारीहे किल नैहोके कार्यालय सञ्चालनमे समस्या हुइ लागल बटैलै । कार्यालयके नियमित खर्च व्यवस्थापन कैना कठिनाइ हुइटी रहल उहाँ बटैलै ।

ओहकान अनुसार कार्यालयके बिजुलीके बिलसमेत समयमे टिर्ना समस्या हुइल बा । बिल समयमे टिरे नैसेकके जरिवाना थप्टी गैल बा । कार्यालयके दैनिक प्रशासनिक काम सञ्चालन कैना आवश्यक अन्य खर्चसमेत बजेट निकासा ओ भुक्तानी प्रक्रियामे निर्भर रहना हुइल ओरसे ओकर असर कार्यालयके काममे परे लागल ओहकान कहाइ रहल बा । सवडिभिजन वन कार्यालय सुखडके वनरक्षक गोकुल थापा तलब नैआके घरायसी खर्च व्यवस्थापन कैना कठिन हुइल बटैलै । घरभाडा, दैनिक उपभोग्य सामग्री खरिदलगायत नियमित खर्च तलबके भरमे व्यवस्थापन करे पर्ना हुइल ओरसे दुई महिनासम पारिश्रमिक रुकेबर समस्या थपल उहाँ बटैलै ।

दुई महिनासे तलब नैपाके कर्मचारीके समस्या दैनिक घरखर्चमे किल सीमित नैहो । डसैं सुरु हुइना करिब दुई अँठ्वार किल बाँकी रहेबर टरटिहारके खर्च *(बाँकी ३ पेजमे)*

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

संविधानके मर्मप्रति निष्ठा

विचार
वीरेन्द्रकुमार ठाकुर

संविधान दिवस संविधान जारी हुइल ऐतिहासिक दिनके स्मरण किल नाइहो, संविधानसे परिकल्पना करल राज्य ओ समाज व्यवहारमे कत्रा निर्माण हुइल कना आत्मसमीक्षा करना अवसर फेन हो । नेपालके संविधानसे नेपालहे संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रके रूपमे संस्थागत करटि समावेशी, सामाजिक न्याय, समानुपातिक सहभागिता ओ राज्यशक्तिके विकेन्द्रीकरणहे महत्वपूर्ण आधार बनाइल बा । ओस्टेक संविधान दिवसके सार उपलब्धिके चर्चा करनामे किल नाइहो, संविधानसे सम्बोधन करना बाँकी ढरना प्रश्न पहिचान कैके ओकर समाधानके डगर खोज्नामे फेन निहित बा ।

यी दृष्टिसे नेपालके पाछेक राजनीतिक परिवेश हेरलेसे एक महत्वपूर्ण परिवर्तन डेखाइठ । जनताके असन्तुष्टि आब केवल सरकार वा राजनीतिक दलके कार्यशैलीसँग सीमित नैहो राज्यके शासनप्रणाली, प्रतिनिधित्वके स्वरूप ओ शक्ति वितरणके तौरतरिकाउप्पर फेन प्रश्न उठे लागल बा । यिहिनहे तत्कालीन राजनीतिक असन्तुष्टिके अभिव्यक्ति किल मन्नासे यकर पृष्ठभूमि ओ दीर्घकालीन अर्थ बुझ्ना आवश्यक बा ।

यी सन्दर्भमे विगतमे राज्यके टमान तहमे पर्याप्त प्रतिनिधित्व, पहिचान, समान सहभागिता, सामाजिक न्याय ओ निर्णय प्रक्रियामे अर्थपूर्ण पहुँचके विषयमे उठल आवाजहे स्मरण करे परठ । उमध्ये कुछ विषय संवैधानिक तथा राजनीतिक प्रक्रियामार्फत सम्बोधन हुइल मने सब प्रश्न पूर्ण रूपमा टुंगल नैहो । कुछ माग नयाँ परिस्थिति अनुसार नयाँ स्वरूपमे प्रकट हुइल बा कनेसे कुछ बदलल सामाजिक चेतनासँगे थप व्यापक अर्थ ग्रहण करल बा ।

अइसिन प्रश्न लम्मा समयसम सम्बोधन नैहोके ओकर अभिव्यक्ति एकडम एक राजनीतिक नारामे नैरहठ । कबुकाल स्थापित राजनीतिक शक्तिप्रतिके असन्तुष्टिमे, कबुकाल नयाँ नेतृत्वके खोजीमे ओ कबुकाल निर्वाचनमे अप्रत्याशित राजनीतिक रोजाइके रूपमे ओकर प्रभाव डेखाइ सेकि । पाछेक निर्वाचनमे डेखाइल नयाँ राजनीतिक विकल्पप्रतिके आकर्षणहे फेन यिहे व्यापक परिवर्तनशील मनोविज्ञानके एक संकेतके रूपमे बुझे सेकि । निर्वाचन परिणामहे एक कारणस व्याख्या करना कलेक उचित नैरहठ । मतदाताके रोजाइमे नेतृत्वप्रतिके अपेक्षा, सुशासनके चाहना, पुरान राजनीतिक शक्तिप्रतिके असन्तुष्टि, नयाँ विकल्पके खोजी, उम्मेदवारके व्यक्तित्व, स्थानीय परिस्थिति ओ राष्ट्रिय राजनीतिक वातावरण जस्टे अनेक पक्षसे प्रभाव पारठ । ओस्टेक नयाँ राजनीतिक विकल्पप्रतिके आकर्षणहे कौनो एक समुदायके प्रतिक्रिया वा विगतके सब राजनीतिक मुद्दाके अन्त्यके रूपमे बुझ्ना सही नैरहठ । बरु यिहिनसे मतदाता स्थापित राजनीतिक समीकरणउप्पर प्रश्न करना ओ नयाँ सम्भावना परीक्षण करना तयार हुइल संकेत करठ ।

मतदाताके यी बदलल मनोविज्ञानहे केवल निर्वाचनके परिणाममे सीमित कैके हेरके फेन नैमिलठ । यिहे समयमे टमान सामाजिक समुदायसे राज्यके संरचनामे अपन अर्थपूर्ण उपस्थिति, सम्मान ओ सहभागिताके माग बलगर हुइल बा । मधेसी, मुस्लिम, पिछडा वर्ग, आदिवासी जनजाति, थारू, दलित, महिला, सीमान्तकृत समुदाय तथा पिछरल क्षेत्रके नागरिकसे राज्यके अवसर ओ निर्णय प्रक्रियामे अपन हिस्सेदारीबारे प्रश्न उठाइल बा । राजनीतिक तथा प्रशासनिक शक्ति संरचनामे अपन उपस्थिति खोज्न आकांक्षा फेन टमान रूपमे अभिव्यक्त हुइल बा ।

यी आकांक्षाहे केवल समुदायगत प्रतिस्पर्धाके रूपमे बुझ्ना उचित नैरहठ । अइनके अन्तर्यमे राज्यके अवसर, स्रोत, सम्मान ओ निर्णय प्रक्रियामे समान पहुँचके चाहना बा । ओस्टेक एक समुदायके आवाजहे औरे समुदायके प्रतिस्पर्धी आवाजके रूपमे हेरनासे ओम्ने रहल साझा लोकतान्त्रिक आकांक्षा पहिचान करना आवश्यक बा । मूल प्रश्न हो, काहे नागरिक अपन राज्यमे समान स्वामित्व अनुभूत करना और अपन समुदायके प्रतिनिधित्व खोजेपरना अवस्था महसुस करटि बा ?

राज्यके संस्था सब नागरिकके लाग समान रूपमे पहुँचयोग्य, उत्तरदायी ओ प्रतिनिधिमूलक बा कलेसे अपन पहिचान, अधिकार ओ राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करना समुदायगत प्रतिनिधित्वमे निर्भर हुइपरना मनोविज्ञान काहे बलगर बा ? यकर उत्तर खोज्न आजके लोकतान्त्रिक बहसके महत्वपूर्ण जिम्मेवारी हो ।

यिहे प्रश्नसे स्वाभाविक रूपमे राज्यके संरचना ओ ओम्ने शक्ति वितरण कैसिक करल बा कना बहसओर लैजाइठ । नेपालके संघीयता फेन यिहे ऐतिहासिक प्रश्नके एक राजनीतिक उत्तर रहे । राज्यशक्तिके केन्द्रीकरणसे उत्पन्न दुरी ओ असमानता घटैना, प्रदेश ओ स्थानीय तहहे अधिकारसम्पन्न बनैना, निर्णय प्रक्रियाहे नागरिकके लग्गे पुगैना तथा विविध समुदायहे शासनमे अर्थपूर्ण हिस्सेदारी दिलैना उद्देश्यसे संघीय संरचना स्थापना करल हो । संघीय संरचना निर्माण हुइना ओ संघीयताके मर्म व्यवहारमे स्थापित हुइना एक बाट भर नाइहो । संघीयताके मूल्यांकन आब यकर संरचना बनल बा कि नैहा कना आधारमे किल नाइहो, उहिनसे नागरिकके जीवन ओ शासनके अभ्यासमे कैसिन परिवर्तन नानल कना आधारमे हुइ परठ ।

प्रदेशसे संविधानसे डेहल अधिकार कत्रा प्रयोग करे सेकल ? स्थानीय तह कत्रा स्वायत्त बा ? प्रदेश ओ स्थानीय तहसँग पर्याप्त वित्तीय तथा प्रशासनिक क्षमता बा कि नैहो ? केन्द्र ओ प्रदेशबिच अधिकारके बाँडफाँट व्यवहारमे कत्रा सन्तुलित बा ? संघीय संरचनासे नागरिकहे निर्णय प्रक्रियामे अपन प्रभाव बहल अनुभूति करैले बा कि नैहो ?

यी प्रश्नके उत्तर खोज्के संघीयताके औरे महत्वपूर्ण पक्ष प्रदेशके संरचना ओ सीमांकनओर फेन ध्यान जाइठ । प्रदेश सीमांकनके विषय संविधान निर्माणसँगे टुंगल जस्टे डेखैलेसे फेन व्यवहारमे यीसँग जोरल प्रश्न पूर्ण रूपमे समाप्त हुइल नैहो । टमान प्रदेशके भौगोलिक बनोट, सांस्कृतिक सम्बन्ध, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, आर्थिक सम्भावना, प्रशासनिक पहुँच ओ पहिचानसँग सम्बन्धित विषयमे समय समयमे असन्तुष्टि व्यक्त हुइटि आइल बा । कहुँ प्रदेशके नाम ओ पहिचानके प्रश्न बा, कहुँ स्रोत ओ अवसरके वितरण तथा प्रशासनिक व्यवहारके ।

लोकतान्त्रिक राज्यमे कौनो संरचना एक चो बनलपाछे ओकर समीक्षा करना नैहोके कना मान्यता नैरहठ मने समीक्षा तथ्य, अनुभव, संवैधानिक प्रक्रिया ओ व्यापक राष्ट्रिय सहमतिके आधारमे हुइ परठ । प्रदेश सीमांकनके बहसहे फेन यिहे परिपक्वताके साथ हेरना आवश्यक बा ।

यीसँगे प्रतिनिधित्वके प्रश्न और संवेदनशील रूपमे जोरठ । जनसंख्याके आधारमे प्रतिनिधित्व हुइ परठ कना माग नेपालमे कैचो उठल बा । लोकतन्त्रमे प्रत्येक नागरिकके मतके समान मूल्य हुइ परठ कना सिद्धान्त महत्वपूर्ण बा मने नेपालके भौगोलिक विविधता, दुर्गम अवस्था, क्षेत्रीय सन्तुलन ओ समावेशीहे फेन बेवास्ता करे नैसेकि ।

टबेमारे प्रतिनिधित्वके बहस 'जनसंख्या कि भूगोल ?' कना दुई ध्रुवमे सीमित हुइ नैपरठ । वास्तविक प्रश्न हो जनसंख्या, भूगोल, समावेशी ओ राजनीतिक समानताबिच न्यायपूर्ण सन्तुलन कैसिक कायम करना ? यी प्रश्नके उत्तर भावनात्मक आग्रहसे तथ्य, संवैधानिक सिद्धान्त ओ लोकतान्त्रिक अभ्यासके आधारमे खोजे परठ ।

यिहे कारणसे विगतमे राज्य पुनर्संरचनासम्बन्धी आयोग तथा टमान अध्ययन ओ प्रतिवेदनसे प्रस्तुत करल सुझाव फेन पुनः बहसके विषय बने सेकि । उ प्रतिवेदनहे ना अक्षरशः स्वीकार करेपरना रहठ, ना टे पूर्णतः अस्वीकार कैके इतिहासके दराजमे थन्क्याइ परठ । समयसँगे जनसंख्याके वितरण, बसाइँसराइ, आर्थिक केन्द्र, सामाजिक संरचना ओ राजनीतिक चेतना परिवर्तन हुइल बा । टबेमारे विगतके निष्कर्षहे *(बाँकी ३ पेजमे)*

> यिहे कारणसे वर्तमान परिवेशहे राज्य पुनर्संरचनाके सम्भावित नयाँ अध्यायके रूपमे लेहे सेकि मने राज्य पुनर्संरचना कलेक के सत्ताके शीर्ष ठाउँमे पुग्न कना प्रश्न किल नाइहो । व्यक्ति वा नेतृत्व परिवर्तनसे किल राज्यके चरित्र परिवर्तन नैकरि । राज्यके संरचना, अधिकारके बाँडफाँट, प्रतिनिधित्वके प्रणाली ओ निर्णय प्रक्रियामे आवश्यक सुधार हुइ नैसेकि कलेसे नयाँ नेतृत्वसे किल दीर्घकालीन असन्तुष्टि समाधान हुइ नैसेकि । ओस्टेक आबके बहस केकर शासन ? से कैसिन शासन ? कना प्रश्नमे केन्द्रित हुइ परठ । समावेशी लोकतन्त्रके उद्देश्य प्रत्येक समुदायहे पालिकपाला सत्ताके शीर्ष ठाउँमे पुगैना किल नाइहो; राज्यके संस्था आत्र न्यायपूर्ण, उत्तरदायी ओ प्रतिनिधिमूलक बनैना हो कि कौनो नागरिक अपन अधिकार ओ सम्मान सुरक्षित करना केवल अपन समुदायके राजनीतिक संरक्षक खोजेपरना अवस्था नारहे । नेपालके राजनीतिक स्थायित्व फेन यिहे आधारमे बलगर हुइ सेकि । विकाससे जीवनस्तर सुधारठ, सुशासनसे राज्यप्रतिके भरोसा बढ्ठ ओ न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्वसे नागरिकके स्वामित्वबोध गहिर बनाइठ । यीमध्ये कौनो एकसे औरेक स्थान लेहे नैसेकि

भोटेकोशी बाढः एक हजार ४३६ शव भेटगिल

काठमाडौँ, ४ कुवाँर । भोटेकोशी बाढमे परके ज्यान गुमाइल मध्ये एक हजार ४३६ जानेक शव फेला परल बा ।

नेपाल प्रहरीके अनुसार अँटवार बिहान ११:०० बजेसम रसुवामे २२३, नुवाकोटमे २०३, धादिङमे ७२, चितवनमे ३६५, गोरखामे ७९, तनहुँमे ३८, नवलपरासी पूर्वमे २३२ ओ नवलपरासी पश्चिममे २२२ करके एक हजार ४३४ शव फेला परल हुइट । फेला परल शव पहिचानके लाग 'डिएनए' नमूना सङ्कलन करके हालसम एक हजार २९२ शव व्यवस्थापन करल प्रहरी जनैले बा ।

शव पहिचानके लाग मृतकके एक हजार २८६ ओ आफन्तके एक हजार ९९७ करके कुल तीन हजार २८३ ठो डिएनए नमूना सङ्कलन करल बा । पहिचान नैहुइल एक हजार ३६२ शवके विवरण प्रहरीके वेबसाइटमे अपलोड करल बा ।

बाढ प्रभावित क्षेत्रमे उद्धार, खोजी, राहत वितरण, शव व्यवस्थापनलगायतके लाग हालसम सात हजार ९७५ प्रहरी परिचालन करल बा । बेपत्ता हुइल चार हजार ६५५ जानेक खोजी हुइटी रहल बा ।

कुँवार ८ से १२ गतेसम...

ओ १० गते सुदूरपश्चिमबाहेकके क्षेत्रमे लम्मा दूरीके यात्रा स्थगित करे पर्ना उपयुक्त हुइ सेक्ना सुझावसमेत डेले बटै ।

मने वर्षाके वास्तविक तीव्रता, अवधि ओ कौन क्षेत्रमे कटरा प्रभाव परी कना अब्बे यकिन नैहुइल उहाँ स्पष्ट परले बटै ।

जल तथा मौसम विज्ञान विभागसे भर बंगालके खाडीमे विकसित हुइटी रहल मौसमी प्रणालीहे लग्गेसे निगरानी करटी रहल बटैले बटै ।

विभागके वरिष्ठ मौसमविद् वरुण पौडेलके अनुसार अइसीन मौसमी प्रणालीके दिशा ओ शक्ति परिवर्तन हुइटी रहल उहँ अब्बे नै वर्षाके निश्चित मात्रा ओ प्रभावबारे निष्कर्ष निकर्ना हतार नैकैना अवस्था रहल बटैलै ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ स्थित कित्ता नं. ६१६ क्षेत्रफल १८०.५३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री उमा चौधरीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्वः अशोकसिंह ठकुल्ला — पश्चिमः रामबहादुर चौधरी
उत्तरः कमला मलासी — दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजकः

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हुसुलिया ०९१-५२९१२५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२५८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठनः ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
ढमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुद्दायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२१५४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

मूल्यवृद्धि डेढ वर्षयहोरके उच्च

काठमाडौँ, ३ कुँवार । चालु आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के पहिल महिना अर्थात् सावनमे महँगी अत्यधिक बहल बा । नेपाल राष्ट्र बैंकसे सार्वजनिक करल आर्थिक तथा वित्तीय स्थितिसम्बन्धी प्रतिवेदन अनुसार सावनमे महँगी दर ५.९६ प्रतिशत पुगल बा । जोन पाछेक डेढ वर्षयहोरके उच्च हो । यीआघे २०८१ अगहनमे महँगी दर ६.०५ प्रतिशत रहे । गैल वर्ष सावनमे अइसिन दर १.६८ प्रतिशत किल रहे ।

प्रतिवेदन अनुसार सावनमे खाद्य तथा पेयपदार्थ समूहके महँगी ६.७७ प्रतिशत रहल बा कलेसे गैरखाद्य तथा सेवा समूहके महँगी दर ५.५२ प्रतिशत रहल बा । आघेक वर्षके ओहे महिना खाद्य तथा पेयपदार्थ समूहके महँगी दर बुझैना मुद्रास्फीति २.२८ प्रतिशतसे ऋणात्मक रहल रहैं कलेसे गैरखाद्य तथा सेवा समूहके मुद्रास्फीति ३.९५ प्रतिशत रहल रहे ।

समीक्षा अवधिमा खाद्य तथा पेय पदार्थ समूह अन्तर्गत घिउ तथा तेल उपसमूहके उपभोक्ता मूल्य सूचकांक १५.६२ प्रतिशत, फलफूलके १५.३९ प्रतिशत, माछा तथा मासुके ८.६५ प्रतिशत, तरकारीके ६.९० प्रतिशत ओ

मरमसलाके ४.८० प्रतिशत बहल बा ।

बाह्य क्षेत्र सुदृढ बन्टि

प्रतिवेदन अनुसार नेपालके बाह्य आर्थिक तथा वित्तीय क्षेत्र थप सुदृढ बनल बा । बहल रेमिट्यान्स, उच्च चालु खाता बचत ओ सकारात्मक शोधनान्तर स्थितिसे मुलुकके विदेशी मुद्रा भण्डारहे अभिनसमके बलगर अवस्थामे पुगल बा । मुलुकभित्रे अर्थतन्त्रके गति अपेक्षा अनुसार नैबहलेसे फेन बाह्य क्षेत्रमे भर पैसाके ढुकुटी भरल पाछे तथ्यांकमे डेखाइल हो ।

राष्ट्र बैंकके तथ्यांक अनुसार कुल विदेशी विनिमय सञ्चिति ३९ खर्ब ४६ अर्ब २३ करोड रहल बा । अमेरिकी डलरमे उ सञ्चिति २५ अर्ब ८४ करोड पुगल बा । अइसिन सञ्चिति १८.८ महिनाके वस्तु तथा सेवा आयात धन्ना पर्याप्त बा । अस्टेक, चालु खाता ९४ अर्ब ५९ करोड ओ शोधनान्तर ९० अर्ब ३४ करोड बचतमे रहल बा । निर्यात ६१.७ प्रतिशत ओ आयात ३१.० प्रतिशत बहल बा ।

बैंक तथा वित्तीय संस्थाके निक्षेप परिचालन ०.३ प्रतिशत घटल बा कलेसे निजी क्षेत्रमे प्रवाहित कर्जा ०.४ प्रतिशत बहल बा । वार्षिक विन्दुगत आधारमे निक्षेपके वृद्धिदर १४.५ प्रतिशत ओ निजी क्षेत्रमे प्रवाहित कर्जाके वृद्धिदर ७.० प्रतिशत रहल बा । बैंक तथा वित्तीय संस्थाबिचके भारित औसत अन्तरबैंक दर २.७५ प्रतिशत रहल बा । वाणिज्य बैंकके निक्षेपके भारित औसत ब्याजदर ३.१५ प्रतिशत ओ कर्जाके भारित औसत ब्याजदर ६.४८ प्रतिशत रहल बा ।

विप्रेषण अभिनसमके उच्च

चालु आर्थिक वर्षके पहिल महिनामे विप्रेषण आप्रवाह २१.२ प्रतिशतसे वृद्धि होके दुई खर्ब १५ अर्ब पाँच करोड पुगल बा । जोन कौनो एक महिनामे भित्रल अभिनसमके सबसे उच्च विप्रेषण होरा समीक्षा अवधिमे अमेरिकी डलरमे विप्रेषण आप्रवाह १०.२ प्रतिशतसे वृद्धि होके एक अर्ब ४० करोड पुगल बा । आघेक वर्ष अइसिन आप्रवाह २५.० प्रतिशत बहल रहे ।

यी अवधिमे वैदेशिक रोजगारीके लाग अन्तिम श्रम स्वीकृति (संस्थागत तथा व्यक्तिगत नयाँ) लेना नेपालीके संख्या ४२ हजार ६९३ ओ पुनः श्रम स्वीकृति लेनाके संख्या २७ हजार ७४८ रहल बा । आघेक वर्षके ओहे अवधिमे अइसिन संख्या क्रमशः ४४ हजार ४६६ ओ २३ हजार ६४४ रहल रहे ।

दुई महिनासे तलबविहीन...

व्यवस्थापनहे लेके उहाँहुक्रनके चिन्ता थपल बा । डसैँके बेला घर जैना यातायात खर्च, खाद्यान्न तथा आवश्यक सामग्री खरिद, बालबालिकाके आवश्यकता पूरा करे पर्ना तथा आफन्त ओ परिवारसँग जोरल सामाजिक दायित्व निर्वाह करे पर्ना रहठ् । नियमित मासिक आम्दानीमे निर्भर कर्मचारी दुई महिनाके तलब नैपाके ओइसीन खर्च व्यवस्थापन कैना कठिन हुइल बटैठै । डिभिजन वन कार्यालय कैलालीमे कार्यरत वरिष्ठ वन अधिकृत विश्वराज पण्डित डसैँ लच्क्यइटी रहल बेला घरपरिवार तथा टरटिहारके खर्च कैसिक व्यवस्थापन कैना चिन्ता बहल बटैलै ।

"दुई महिनासे तलब आइल नैहो । डसैँ आइ लागल बा । घरपरिबारसँग टरटिहार मनाइक लाग आवश्यक सामान किन्ना ओ घर जैना खर्चसमेत जुटाइ पर्ना रहठ् । तलब कब आइ कना टुङ्गो नैहोके चिन्ता बहल बा", उहाँ कहलै । सुदूरपश्चिम प्रदेशसभाके अधिकृत युवराज जैसी नियमित आम्दानी रुकेबर सामान्य घरखर्चसमेत धन्ना कठिन हुइल बटैलै । तलब नैआके घरभाडा, बालबालिकाके विद्यालय शुल्क तथा दैनिक खाद्यान्नलगायत खर्च व्यवस्थापन कैना समस्या हुइल उहाँ बटैलै । "दैनिक खर्च चलैना नै समस्या हुइटी रहल बा । डसैँ लच्क्यइटी रहल बेला थप खर्च आवश्यक परठ् । अब्बे तलब अइना निश्चित नैहुइल ओरसे टरटिहारके खर्च कैसिक व्यवस्थापन कैना कना चिन्ता रहल बा", उहाँ कहलै ।

ट्रेड युनियन कैलालीके अध्यक्ष विमलप्रकाश जोशी तलब नैपाके कर्मचारीमे आर्थिकसँगे मानसिक दबाबसमेत बहटी गैल बटैलै । नियमित आम्दानी रुकेबर कर्मचारीके घरव्यवहार सञ्चालनमे प्रत्यक्ष असर परल ओ विशेष कैके भाडामे बैठके काम करुइया कर्मचारी थप समस्यामे परल उहाँके कहाइ रहल बा । "कर्मचारी आपन जिम्मेवारीअनुसार नियमित काम करटी रहल बटै । मने तलब नैआके उत्पन्न समस्याके दोषसमेत कर्मचारीउपर अइना अवस्था रहल बा । राजनीतिक नेतृत्वसे निर्णय ओ काम हुइ नैसेकके ओकर असर कर्मचारीतन्त्र खेपे परल बा", अध्यक्ष जोशी बटैलै ।

उहाँ डसैँ लच्क्यइटी गैल ओरसे कर्मचारीके अवस्थाहे ध्यानमे राखके प्रदेश सरकारसे बजेट पारित कैके तलब भुक्तानीके वातावरण बनाइ पर्ना बटैलै । बजेट नैआके कर्मचारीके तलब किल नैहोके प्रदेश सरकारके नियमित काम तथा सेवा प्रवाहसमेत प्रभावित हुइल उहाँके कहाइ रहल बा ।

बजेट पारित नैहोके तलब भुक्तानीमे समस्या

प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयके वरिष्ठ लेखा अधिकृत तथा सूचना अधिकारी बल्देव कपाडीके अनुसार प्रदेश सरकारसे प्रदेशसभामे बजेट प्रस्तुत कैके पारित करलपाछे किल नियमित बजेट कार्यान्वयन प्रक्रिया आघे बहठ् । बजेट पारित हुइलपाछे सम्बन्धित कार्यालयहे प्रणालीमार्फत बजेट उपलब्ध कराजाइठ् । ओकरपाछे सम्बन्धित कार्यालयके अधिकारी स्वीकृत बजेट तथा प्रचलित कानुनअनुसार खर्च प्रक्रिया आघे बह्राके भुक्तानी आदेश पेस करलपाछे प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालयसे निकासा तथा भुक्तानी हुइना व्यवस्था रहल उहाँ बटैलै ।

"बजेट पारित नैहुइटसम नियमित बजेट कार्यान्वयन करे नैसेकजाइठ् । ओहेमारे अब्बे तलब भुक्तानी प्रक्रिया आघे बह्रे सेकल नैहो," कपाडी कहलै । ओहकान अनुसार कर्मचारीके तलब भुक्तानीके लाग फेन सम्बन्धित कार्यालयके स्वीकृत बजेट, अख्तियारी तथा निकासा प्रक्रियासहितके चरण पूरा हुइ परठ् । बजेट नै कार्यान्वयनमे आइ नैसेकल अवस्थामे नियमित खर्च शीर्षकमे भुक्तानी कैना समस्या हुइना हुइल ओरसे कर्मचारीके पारिश्रमिकसमेत रोकल हो ।

इहीसे कर्मचारीके तलब भुक्तानीमे डेखल समस्या कार्यालयगत ढिलाइ किल नैहोके बजेट पारित हुइ नैसेकल अवस्थासँग प्रत्यक्ष जोरल डेखाइठ् । बजेट पारित होके आवश्यक वित्तीय प्रक्रिया आघे बहलपाछे किल नियमित भुक्तानीके डगरा खुल्ना कार्यालयके कहाइ रहल बा ।

मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्के कार्यालयके उपसचिव एवं प्रवक्ता जगदीश जोशी प्रदेश सरकारसे बजेट लाने नैसेकल कारण कर्मचारीके तलब भुक्तानी करे नैसेकल कहटी बजेट नैआइल कारण उहे अनुसार आवश्यक वित्तीय प्रक्रिया आघे बह्रैना समस्या हुइल बटैलै । "प्रदेश सरकारसे बजेट नैलानेबर कर्मचारीके तलब भुक्तानी करे नैसेकल हो", उहाँ कहलै, "बजेट आइलपाछे आवश्यक प्रक्रिया पूरा कैके तलब भुक्तानी कैना व्यवस्था मिलाजाइ ।" प्रदेश सरकारके कर्मचारीके पारिश्रमिक भुक्तानी नियमित बजेट प्रक्रियासँग जोरल ओरसे बजेट पारित हुइ नैसेकके प्रदेशके टमान कार्यालयके नियमित खर्च व्यवस्थापन प्रभावित हुइल बा ।

सरकार फेरलेसे फेन बजेट नैआइल

सुदूरपश्चिममे सरकार गठन तथा सत्तासमीकरण परिवर्तनसँगे बजेट निर्माण ओ पारित कैना प्रक्रिया प्रभावित हुइल बा । प्रदेशसभासे बजेट पारित नैहोके आव सुरु हुइलठनसे नै नियमित बजेट कार्यान्वयनमे समस्या डेखल बा । यकर प्रत्यक्ष असर प्रदेश सरकार मातहत कार्यरत कर्मचारीके तलब भुक्तानीमे परल बा । खरिद प्रक्रिया आघे नैबह्रके स्वास्थ्य संस्थामे औषधि अभावके समस्या आइ लागल बा कलेसे योजना कार्यान्वयनके प्रक्रिया फेन पाछे धकेलल् बा ।

इहीसे आघे नेपाली कांग्रेस ओ नेकपा (एमाले)के सत्ता साझेदारीमे रहल प्रदेश सरकारसे १ असारमे आगामी आवके बजेट सार्वजनिक करल रहे । मने बजेटमे डेखल विवादके कारण कांग्रेस संसदीय दलके नेता कमलबहादुर शाह नेतृत्वके सरकार ढलल्पाछे उक्त बजेट कार्यान्वयनमे जाइ सेकल नैहो ।

नेकपा (एमाले) के साझेदारीमे नेपाली कम्युनिष्ट पार्टी (नेकपा)के खगराज भट्ट प्रदेशके मुख्यमन्त्री रहल बटै । भट्ट नेतृत्वके सरकारसे बजेटविहीनताके अवस्था अन्त्य कैना इहीसे आघे सार्वजनिक बजेट पुनर्लेखन कैके नयाँ बजेट लन्ना बटैटी आइल बा । सरकार परिवर्तन हुइलपाछे बजेट प्रक्रिया आघे बह्रना अपेक्षा रहे । मने लावा सरकार गठन हुइल एक महिना बिट्लेसे फेन बजेट पारित हुइना टुङ्गो लागे सेकल नैहो । मुख्यमन्त्री खगराज भट्ट प्रदेशमे रहल बजेट शून्यताके अवस्था अन्त्य कैटी नीति, विधि ओ पद्धतिमे आधारित बजेट लन्ना तयारी हुइटी रहल बटैले बटै ।

संविधानके...

आजके तथ्य ओ आवश्यकतासँग तुलना कैके पुनर्मूल्यांकन करना ढेर उपयुक्त हुइठ ।

यिहे सन्दर्भमे सरकारसे गठन करल संवैधानिक सुझाव आयोगके भूमिका महत्वपूर्ण बने सेकि । आयोगहे केवल संविधान संशोधनके प्राविधिक सुझाव संकलन करना निकायमे सीमित नैढैके राज्य पुनर्संरचनाके मूल प्रश्नमे राष्ट्रिय संवादके आधार तयार करना जिम्मेवारी डेहे परठ । संघीयता कार्यान्वयन, प्रतिनिधित्व, निर्वाचन प्रणाली, प्रदेशके अधिकार, प्रदेश सीमांकन, समावेशी तथा केन्द्र-प्रदेश सम्बन्धके विषयमे आयोगसे तथ्यमे आधारित अध्ययन ओ व्यापक परामर्श आघे बह्रे सेकि ।

यी प्रक्रियामे सबसे महत्वपूर्ण बाट असन्तुष्टिहे समस्या किल नैमान्के ओकर कारण पहिचान करना हो । कौनो क्षेत्र, जाति, समुदाय वा समूहसे उठल आवाजहे राष्ट्रविरोधी, विखण्डनकारी वा बाह्य प्रभावके परिणाम कहिके तत्काल खारेज कैके समस्या समाधान नैहुइठ । ओस्टेक प्रत्येक मागहे जातीय वा क्षेत्रीय चस्मासे किल हेरके राष्ट्रिय साझा हित ओझेलमे परे सेकि ।

नेपालके लाग उपयुक्त डगर यी दुई अतिबिचके लोकतान्त्रिक मार्ग हो । असहमतिके सम्मान, तथ्यके परीक्षण, संवैधानिक संवाद ओ राष्ट्रिय सहमति । अइसिके हेरलेसे अब्बेक परिवर्तन फेन केवल राजनीतिक नेतृत्व परिवर्तनके चाहना किल नाइहो । यीभित्तर शासनके पुरान शैलीप्रतिके असन्तुष्टि, जवाफदेहिताके माग, प्रतिनिधित्वके पुनर्विचार, अवसरमे समानताके चाहना ओ राज्यके शक्ति संरचनाहे नयाँ ढंगसे व्यवस्थित करेपरना आग्रहसमेत अन्तर्निहित बा ।

यिहे कारणसे वर्तमान परिवेशहे राज्य पुनर्संरचनाके सम्भावित नयाँ अध्यायके रूपमे लेहे सेकि मने राज्य पुनर्संरचना कलेक के सत्ताके शीर्ष ठाउँमे पुग्न कना प्रश्न किल नाइहो । व्यक्ति वा नेतृत्व परिवर्तनसे किल राज्यके चरित्र परिवर्तन नैकरि । राज्यके संरचना, अधिकारके बाँडफाँट, प्रतिनिधित्वके प्रणाली ओ निर्णय प्रक्रियामे आवश्यक सुधार हुइ नैसेकि कलेसे नयाँ नेतृत्वसे किल दीर्घकालीन असन्तुष्टि समाधान हुइ नैसेकि । ओस्टेक आबके बहस 'केकर शासन ?' से 'कैसिन शासन ?' कना प्रश्नमे केन्द्रित हुइ परठ ।

समावेशी लोकतन्त्रके उद्देश्य प्रत्येक समुदायहे पालिकपाला सत्ताके शीर्ष ठाउँमे पुगैना किल नाइहो राज्यके संस्था आत्र न्यायपूर्ण, उत्तरदायी ओ प्रतिनिधिमूलक बनैना हो कि कौनो नागरिक अपन अधिकार ओ सम्मान सुरक्षित करना केवल अपन समुदायके राजनीतिक संरक्षक खोजेपरना अवस्था नारहे । नेपालके राजनीतिक स्थायित्व फेन यिहे आधारमे बलगर हुइ सेकि । विकाससे जीवनस्तर सुधारठ, सुशासनसे राज्यप्रतिके भरोसा बह्रठ ओ न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्वसे नागरिकके स्वामित्वबोध गहिर बनाइठ । यीमध्ये कौनो एकसे औरेक स्थान लेहे नैसेकि तिनु पक्ष परस्पर पूरक हो ।

सुधारके साहस

संविधान दिवससे हम्रिहिनहे यिहे आधारभूत प्रश्नओर लैजाइठ । संविधानसे परिकल्पना करल समावेशी राज्य नागरिकसे व्यवहारमे कत्रा अनुभूत करले बा ? जहाँ कमी बा, वहाँ सुधारके डगर खोज्न संविधानप्रतिके कमजोरी नाइहो संविधानके मर्मप्रतिके निष्ठा हो । राज्यके स्थायित्व मौनतासे नाइकि, नागरिकके विश्वाससे निर्माण हुइठ । उ विश्वास विकाससे बलगर बनाइठ, सुशासनसे टिकाइठ ओ न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्वसे गहिर बनाइठ । टबेमारे आबके आवश्यकता विगतके असन्तुष्टिहे दोहोऱ्याइना नैहो ओइनसे सिखल अइसिन राज्य निर्माण करना हो जहाँ अधिकार ओ सम्मानके लाग नागरिक अपन पहिचानके आधारमे छुट्टे ढोका खोजे नापरे । यिहे संविधानके गतिशीलता, संघीयताके सार ओ नेपालके समावेशी लोकतन्त्रके वास्तविक परीक्षा हो ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

"लैङ्गिक समानताके लागि समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार"

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

राहत ओ पुनर्स्थापनाप्रति बाढपीडित आक्रोशित, मृत्युदर्तामेफे झमेला

काठमाडौँ, ४ कुवाँर । सरकारसे ल्यानल राहत प्याकेजमे बाढपीडितहुक्रे असहमति जनैले बटै ।

सरकारसे राहत तथा पुनर्स्थापनाके लाग पीडितके लाग टमान सर्त राखलपाछे बाढपीडित आक्रोशित बनल हुइट । सरकारसे ल्यानल राहत तथा पुनर्स्थापनाअन्तर्गत टमान बुँदामध्ये तपसिल राखके सर्त राखल बा । विस्थापितके लाग सरकारसे व्यवस्थापन करल ठाउँमे मञ्जुर हुईपर्ना सर्त राखल बा ।

सरकारसे पीडितके लाग राखल पहिल सर्तमे नेपालभर अपन ओ अपन परिवारके नाममे बसोबासयोग्य घर नैरहल साथे बसोबास ओ जीविकोपार्जनके लाग अन्यत्रसे अनुदान प्राप्त नैकरल स्वःघोषणा करल हुईपर्ना कहल बा ।

दुसरा बुँदामे सरकारसे अस्थायी आवासके व्यवस्थापन करलेसे उ आवासमे बैठना मञ्जुर हुइल ओ उ पश्चात् बसोबास ओ जीविकोपार्जनके अनुदान दाबी नैकैना प्रतिबद्धता जनाईपर्ना उल्लेख बा । नुवाकोट विदुर १० बेत्रावतीके योगेश डुंगोलसे सरकारसे 'नैडेब नैकबी, यैसिक लेहे मन्बो कि नैमन्बो ?' कहटी प्रश्न करले बटै । सरकारसे पीडितहे राहत डेना नाममे हर अटकैना काम करल कहटी आक्रोश पोखल हुइट ।

उहाँ कहलै, 'नेपालभिटर ठोरिक दुर बचल अभिनके खैना छोट गोठघर बारी कुछ जानेक पक्के बा, ओटरा रहल भरमे पीडितसे दुसर दुख खेपे पर्ना डेखगैल ।'

भदौ १० के भोटेकोशी बाढके दिन योगेश मुस्किलसे बचल रहिट । बाढसे उहाँक बेत्रावतीमे रहल घण्टीघर बाढसे तहसनहस बनाइल बा । अपन ठाउँ बेत्रावतीहे कुछ करी कहटी कब झोलुंगे पुल निर्माण कबु मन्दिर निर्माणमे संलग्न डंगोल गाउँके सक्कुहुनहे समयके सूचना डेउ कहिके अपने घरमे भारी घडी राखल रहे । मने, उ घर भोटेकोशी बाढमे क्षति पुगल बा ।

बाढसे विस्थापित नुवाकोट किस्पाङ गाउँपालिकाके जीवन श्रेष्ठ सरकारसे ल्यानल राहत तथा पुनर्स्थापनाके कार्यक्रम पीडितमैत्री

नैहुइल बटैठै । उहाँ प्रश्न करलै, 'औरहेहे कटरा चित्त बुझल पत्ता नैहो, महीहे सरकारके योजना चित्त नैबुझल ।'

घरपरिवार गुमाके बाढसे विस्थापित नुवाकोट विदुर-७ सोलेके स्थानीय अस्विन रैलाफे सरकारसे ल्यानल योजना पीडितमैत्री नैहुइल बटैठै । 'सरकारसे राहत तथा पुनर्स्थापनाके योजना टे ल्यानल मने, हातगोर बाँधके ल्यानल जैसिन हुइल,' उहाँ कहलै, 'सिंगो गाउँ बगरमे परिणत हुइल बा, घरजग्गा ओ परिवार गुमाइल हम्रे पीडितके लाग सरकारसे मलम लगाईपर्नामे राहत लेना हुइलेसे मोर सर्त पूरा करल कना गलत हो,' पीडित रैला कहलै ।

रसुवा उत्तरगया गाउँपालिकाके सुरेन्ड आचार्यकेफे ओस्टे गुनासो बा । बाढसे घरजग्गा विस्थापित हुइलपाछे हाल उहाँ काठमाडौँमे बैठटी रहल बटै । काठमाडौँमे कोठा खोजके बसोबास करटी रहल आचार्य हाल विस्थापित परिवारके पुनर्स्थापना ओ राहतके कार्यक्रमसे सन्तुष्ट नैहुइट । बाढसे सर्वस्व गुमसेकल, यैसिन अबस्थामे पहिले मै कहुसे दातासे डेहल सहयोग लेहल नैहो कहो कहिके सर्त रख्न ओ बसोबास कैना ठाउँ नैहइलेसे केल्ह राहत डेब कना सरकारके गैरजिम्मेवारके पराकाष्ठ हो,' आचार्य कहठै, 'सिंगो बस्ति सखाप हुसेकल आबफे राहतके नाम सर्त रख्नु गलत बा ।'

राहत ओ पुनर्स्थापनामे केल्ह नाही, मृत्युदर्तामे झमेला

सरकारसे एक ओर राहत तथा पुनर्स्थापनाके लाग पीडितहे सर्त आघे सरटी रहल बेला अपन प्रियजन हेराके नैभेटलपाछे काजकिरिया पूरा करुइयाके मृत्युदर्ता नैहुके दुसर झमेला थपल बा । नुवाकोट विदुर नगरपालिका-७ के राजकुमार भट्टसे भोटेकोशी बाढमे हेराइल अपन परिवारके काजकिरिया पूरा करलपाछे मृत्युदर्ता कलेसेफे जिल्ला प्रहरीसे स्वीकार नैकरल । झन्झटहा कानुनी अड्चनके कारण भट्ट केल्ह नैहो' ढेर जे अब्बे अपन गुमल आफन्तके मृत्युदर्ता कैना सेकल नैहो ।

विदुर-७ के वडाध्यक्ष रविन्द्र नेपाल अपन वडाके पीडित परिवारहे मृत्युदर्ताके लाग सहजीकरण करलेसेफे प्रहरीसे कानुन पहना टबकेल्ह मृत्यु दर्ता कैना कहिके अपनहे फोनमार्फत कहल बटैलै । उहे कारण मृत्युदर्ता प्रक्रिया रोकल उहाँक कहाई बा । मै सेकटसम पीडितहे सहजीकरण करल डेहल बटु मने कतिपय बाट राज्यसे कानुनी अड्चन डेखाईबेर अपने समस्यामे परल नेपाल बटैठै ।

भोटेकोशी बाढ आके सिंगो बस्ती तहसनहस बनाइल ठेनसे वडाध्यक्ष नेपाल विस्थापित परिवार ओ मृतक परिवारके राहतके लाग अहोरात्र खटटी रहल बटै । बाढसे वडाध्यक्ष नेपाल अपनही विस्थापित हुइट ।

व्यक्तिके मृत्यु हुइल प्रमाण कानुनी ओ प्रशासनिक प्रयोजनके लाग पेस कैना, चलअचल सम्पत्तिके हक हस्तान्तरण वा अधिकार प्रत्यायोजन लगायतके लाग मृत्युदर्ता कराई परठ । सामाजिक सुरक्षा भत्ता लेना, विधवा प्रमाणित हुइना तथा राज्यसे प्रदान कैना अन्य सेवासुविधा लेनाफे मृत्युदर्ता करेपर्ना व्यवस्था बा ।

कानुनी झन्झटसे हैरानी

हालके कानुनी व्यवस्था अनुसार बेपत्ता हुइल ओ हेराइल हकमे मृत्युदर्ता करे नैमिलठ । यैसिनके हकमे १२ वर्ष वा विशेष परिस्थिति (विपत)मे तीन वर्षपाछे मृत्युसरह मन्ना व्यवस्था बा । यी बाहेक अदालतसे मृत्युके न्यायिक घोषणाके प्रमाणपत्र ल्यानलमे उहीसे आघे मृत्युदर्ता कराई मिलठ ।

मुलुकी देवानी संहिता, २०७४ के दफा ४० अनुसार कौनो व्यक्ति बिनासूचना लगातार १२ वर्षसे बेपत्ता हुइलेसे मृत्यु हुइल मानजाइठ । मने, ८० वर्ष उमेर हुइल व्यक्तिके हकमे पाँच वर्ष, दुर्घटना (विपतके घटनासहित) हुइल वायुयान, पानीजहाज वा अन्य सवारीसाधनमे यात्रा करल व्यक्ति हुइलेसे दुर्घटना हुइल तीन वर्षमे मृत्युसरह मन्ना कानुनी व्यवस्था बा ।

ओस्टेक, विपत् वा दुर्घटनामे परल कहिके 'न्यायिक घोषणा करिपाऊँ' कहिके अदालत जैनाफे पाजाइठ । बेपत्ता हुइल मिति, ठेगाना, कारण ओ आधारसहित निवेदन डेलेसे अदालतसे मृत्युके न्यायिक घोषणा करेसेक्ना प्रावधान बा ।

मृत्युदर्ता बनैना बावाडाई, गोसिया गोसिनीय, छावा वा छाई ओ ओइनके परिवारके सदस्य (१८ वर्ष पुगल) सूचक बन्न पैना कानुनी व्यवस्था बा ।

भन्सार छलिके सामानसहित तीन महिला पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ४ कुवाँर । कैलाली ओ कञ्चनपुरके अलग अलग ठाउँसे २ लाख ४५ हजार ७ सय बराबरके अवैध भन्सार छलिके सामानसहित तीन महिला पक्राउ परल बटै ।

कैलालीके धनगढी उ.म.न.पा.२ फनपार्क लग्गेसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल अन्दाजी मूल्य रु.१ लाख ९७ हजार ३५० बराबरके बिडी, सुर्ति, सुटपिस, डाल्डा, चना, केक पाउडर, खुर्सानी, प्लाष्टिक झिल्ली लगायतके सामान सहित उहे उ.म.न.पा.३ बैठना वर्ष ३७ के लक्ष्मी स्याडा, वर्ष ३५ के धनि देवी सार्की ओ गोदावारी न.पा.२ बैठना वर्ष २७ के यसोदा भट्टहे सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी कार्यालय धनगढी ओ जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे संयुक्त रुपमे खटल प्रहरी टोलीसे शनिच्चर रात फेला पारके आवश्यक प्रक्रिया पुरा करके नियन्त्रणमे लेहल बा ।

ओस्टेक करके जिल्ला कञ्चनपुर कृष्णपुर न.पा.५ वनदेवी जंगल लग्गेसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल अन्दाजी मूल्य रु.४८ हजार ३५० बराबरके बिडी, सुर्ति, प्लाष्टिक झिल्ली लगायतके सामान शनिच्चर साँझ इलाका प्रहरी कार्यालय गुलरिया, कञ्चनपुरसे खटल प्रहरी टोलीसे बेवारिसे अवस्थामे फेला पारके आवश्यक प्रक्रिया पुरा करके नियन्त्रणमे लेहल बा ।

शान्तिपूर्ण समाज निर्माण गरौं

- शान्ति, सहिष्णुता र भाइचाराको भावना विकास गरौं,
- मतभेदलाई संवाद, सहकार्य र समझदारीबाट समाधान गरौं,
- जाति, धर्म, भाषा, संस्कृति तथा विचारका आधारमा हुने विभेद अन्त्य गरौं,
- बालबालिका, महिला तथा कमजोर वर्गको अधिकार र सुरक्षाको सम्मान गरौं,
- हिंसा, द्वन्द्व, घृणा र वैमनस्यको अन्त्यका लागि योगदान दिऔं,
- सामाजिक तथा सांस्कृतिक विविधताको सम्मान गर्दै सद्भाव कायम राखौं,
- परिवार, विद्यालय र समुदायमा शान्ति र अहिंसाको संस्कार विकास गरौं ।

विश्व शान्ति र मानवताको संरक्षणमा आफ्नो भूमिका निर्वाह गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पौडी खेल्न क्रममे डुबके १२ वर्षिय वालकके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ४ कुवाँर । कैलाली लम्कीचुहा न.पा.७ तोरीपुर स्थित नहरमे उहे न.पा.४ बलिया बैठना काले जैशी छावा वर्ष १२ के भरत जैशी पौडी खेल्न क्रममे शनिच्चर साँझ डुबके मृत्यु हुइल बा। अचेत अवस्थामे फेला पारके उपचारके लाग बर्दगोरिया अस्पताल बौनिया लैगिलमे उपचारके क्रममे उहे रात मृत्यु हुइल बा ।

लागुऔषध सहित भारतीय नागरिक पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ४ कुवाँर । कञ्चनपुर पुनर्वास न.पा.९ बाउण्ड्रीसे लागूऔषधके कारोवार हुके रहल कना गोप्य सुचनाके आधारमे भारतीय नागरिक पक्राउ परल बटै ।

लागुऔषध प्रोसिओहम स्पास-४०८ ट्याब्लेट सहित भारत उत्तर प्रदेश संत लाल आजाद नगर धोला बिर्सेनपुरी खिरी बैठना वर्ष ५५ के दीप चन्द पक्राउ परल बटै । इलाका प्रहरी कार्यालय त्रिभुवनबस्ती, कञ्चनपुरसे खटल प्रहरी टोलीसे भारतसे नेपालओर अइटी रहल अवस्थामे शनिच्चर दुपहर चेकजाँच करेबेर उ नियन्त्रित लागुऔषध फेला पारके पक्राउ करल बा। यी सम्बन्धमे प्रहरीसे आवश्यक अनुसन्धान करटी रहल बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू :

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९